**<u>मेसर्स एम.एस.पी. स्पंज आयरन लिमिटेड द्वारा ग्राम – मनुवापाली, तहसील एवं जिला – रायगढ़ (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित फेरोएलायज यूनिट – 5X9 एम.व्ही.ए. सबमर्ज्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेष (सिलिको मैगनेज – 69300 टी.पी.ए. एवं फेरो मैगनेज – 92,475 टीपीए) एवं केप्टिव पॉवर जनरेषन 50 मेगावाट के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 16.12.2011 का कार्यवाही विवरण :–</u>**

मेसर्स एम.एस.पी. स्पंज आयरन लिमिटेड द्वारा ग्राम – मनुवापाली, तहसील एवं जिला – रायगढ़ (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित फेरोएलायज यूनिट – 5X9 एम.व्ही.ए. सबमर्ज्ड इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेष (सिलिको मैगनेज – 69300 टी.पी.ए. एवं फेरो मैगनेज – 92,475 टीपीए) एवं केप्टिव पॉवर जनरेषन 50 मेगावाट के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 16.12.2011 को स्थान – प्राथमिक शाला भवन, मनुवापाली, तहसील एवं जिला – रायगढ़ (छ.ग.) में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ़, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रातः 11.00 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी।

लोक सुनवाई में लगभग 1100 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 21 लोगों ने हस्ताक्षर किये। मौखिक वक्तव्यों को लिपिबद्ध किया गया।

लोक सुनवाई उद्योग प्रतिनिधि के द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम उद्योग की ओर से कंपनी प्रतिनिधि श्री पी.के. रॉय, वरिष्ठ कार्मिक प्रबंधक, द्वारा प्रस्तावित परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी एवं उक्त परियोजना में किये जाने वाले प्रदूषण नियंत्रण के उपाय के अंतर्गत ई.एस.पी. स्थापित किया जायेगा जिससे 50 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर से कम वायु उत्सर्जन होगा, जल की आपूर्ति कुरूनाला एवं सपनई नाला से की जायेगी, फेरो एलॉय की भट्टियों से जल का निस्सारण नहीं किया जायेगा, सॉलिड वेस्ट को रोड बनाने एवं सिल्को मेगनीज में उपयोग किया जायेगा, 20 एकड़ जमीन में वृक्षारोपण किया जायेगा, उत्पन्न राखड़ को एम.ओ.ई.एफ के गाईड लाईन के तहत् उपयोग किया जायेगा। स्थानीय निवासियों को रोजगार में प्राथतिकता दी जायेगी, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय लोगों को रोजगार, क्षमता विस्तार एवं सामुदायिक विकास कार्य आदि के संबंध में कार्य किये जाने की जानकारी दी गयी। श्री महेश्वर रेड्डी, पर्यावरण कंसल्टेंट द्वारा बताया गया कि बर्न्ड कोयले को सी.एफ.सी. बॉयलर तकनीक में् उपयोग किया जायेगा। जिससे वायु प्रदूषण की समस्या नगण्य होगी। डस्ट एक्सट्रेक्सन सिस्टम एवं बैग फिल्टर के साथ 30 मीटर उंची चिमनी लगाई जायेगी। पावर प्लांट में डस्ट एक्सट्रेक्शन, बैगफिल्टर, ई.एस. पी. एवं डस्ट सप्रेशन सिस्टम लगाया जायेगा, जिससे 50 मिलीग्राम/सामान्य घनमीटर मीटर से कम वायु उत्सर्जन होगा। जल प्रदूषण को कम करने के लिए क्लोज सर्किट लगाया जायेगा जिससे दूषित जल का पुनर्उपयोग किया जायेगा। शून्य डिस्चार्ज रखा जायेगा। पावर प्लांट का राखड़ सीमेंट निर्माणकारी इकाईयों को प्रदाय किया जायेगा। रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट में लगाया जायेगा, जिससे भूमिगत जल बना रहेगा। सीएफसी तकनीक लगाई जाने से सल्फर डाई आक्साइड एवं नाइट्रोजन आक्साइड की मात्रा अत्यंत कम हो जाती है। जिससे पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा उद्योग प्रतिनिधि को जन सुनवाई के दरम्यान उठायी गई आपत्तियों, टीकाटिप्पणी को नोट करने तथा उन्हें कार्यवाही के अंत में बिन्दुवार स्पष्ट जानकारी

देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जिस पर निम्नानुसार 297 व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये –

सर्वश्री –

1. श्री शिशु कुमार मिश्रा , ग्राम–जामगांव, भारत स्वाभिमान मंच – मैं बताना चाहता हूँ कि प्रदूषण पूरे क्षेत्र एवं समाज की समस्या है। उद्योग के आगमन से क्षेत्र का विकास हुआ है। हम सबको मिलकर इस अंचल के विकास के लिए एकजुट होकर पर्यावरण, जल, जंगल शुद्ध रहे और हमारा विकास हो। इस क्षेत्र में प्रथम आने वाली कंपनी का सहयोग करना चाहिए। इस कंपनी को ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़ाये। हमारा जीवन, जंगल, शुद्ध हो और हमारा विकास हो सके।
2. रविन्द्र चौहान, ग्राम–जामगांव कोलाईबहाल,– समर्थन।
3. नारायण मेहर, कोलाईबहाल – मुझे नौकरी दिया है। समर्थन।
4. आनंद राम प्रधान, ग्राम–मनुवापाली – समर्थन।
5. नेत्रा प्रधान, पंच, ग्राम पंचायत–कुकुरदा – पढ़े लिखे लोगों को नौकरी दी जाये। पानी काला होने को रोका जाये। 10 कि.मी. क्षेत्र का विकास किया जाये।, समर्थन।
6. संदीप पंडा, ग्राम– कोटमार – समर्थन। इस कंपनी के आने से गांव का विकास हुआ है। आगे भी इस गांव का विकास होगा। एएफडीसी तकनीकी प्रदूषण को रोकता है।
7. रजनीकांत मिश्रा–ग्राम–बनोरा, – समर्थन।
8. चंद्रशेखर नायक, रायगढ़ – समर्थन।
9. गोपाल प्रसाद गुप्ता, ग्राम–कुकुरदा – फुल समर्थन।
10. जनक राम चौहान, ग्राम–जामगांव – पूर्व सरपंच – समर्थन करता हूँ। मेरा निवेदन है कि हमारे लोकल आदमी की तन्खा में कोई वृद्धि नहीं हो रही है।
11. नरेश कुमार जेना, ग्राम –मनुवापाली – समर्थन।
12. दुर्गाचरण प्रधान, ग्राम–लिपतपाली(उड़ीसा) – जब से एमएसपी आया है उड़ीसा के आसपास के सभी ग्रामों की गरीबी दूर हो गई। मजदूरी 120 देते हैं। 150 कर दिया जाये। अस्पताल की व्यवस्था है। हमको भी इसकी सुविधा दी जाये। एमएसपी को और बढ़ा दिया जाये। हम एमएसपी को जिंदाबाद कहते हैं।
13. दिव्यज्ञान साव, ग्राम–साल्हेओना – समर्थन।
14. बीरबल चौहान, नवापारा – समर्थन।
15. संतरा गिरी, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
16. प्रेम बाई, बलभद्रपुर डीपापारा – स्वागत करती हूँ।
17. शांती बाई, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
18. सुशीला बाई, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
19. लक्ष्मी बाई, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
20. सानमती, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
21. सखा बाई, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
22. शांती, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
23. उसनेदी, बलभद्रपुर डीपापारा – समर्थन।
24. तेजमती, अड़बहार – समर्थन।
25. उलासा, अड़बहार –
26. नंदकुंवर, अड़बहार –

27. जयराम किसान, छुईपाली – समर्थन।
28. सरनो चौहान, सरपंच, कोलाईबहाल – समर्थन।
29. शंकर लाल यादव, बस्ती जामगांव – शिक्षित भाई हैं उनको रोजगार मिला है। गांव में पेयजल उपलब्ध कराया गया है। कंपनी तरक्की करें। समर्थन।
30. तेजराम, अड़बहाल – समर्थन।
31. सीताराम साव, तुमर (उड़ीसा) – छः साल हो गया है। बॉयलर में मैं खून जला रहा हूॅं। हमारा कोई सुनवाई नहीं हो रहा है। कंपनी वाले कोई सुनवाई नहीं करते हैं। एमएसपी जिंदाबाद। समर्थन। बाहर वालों को 20000 देते हैं हमको 5000 देता है। गरीब की ओर ध्यान दें। पब्लिक को देखों गवर्नमेंट का कोई हो तो देखो।
32. सुमती सिदार, सरपंच, ग्राम पंचायत मनुवापाली – समर्थन।
33. राजकुमार प्रधान, ग्राम कोतरलिया – जन सुनवाई करते हैं इसमें समर्थन एवं विरोध करते हैं उसका कुछ होता है क्या? एमएसपी आने से इस क्षेत्र का विकास हुआ है। इस क्षेत्र की जनता जागरूक हुई है। उद्योग इस क्षेत्र में कई हैंड पंप, पानी की व्यवस्था की गई है। कई लोगों को रोजगार दी है। उद्योग सब लोगों को सहयोग करता रहे सहयोग लेता रहे। समर्थन।
34. रमेश कुमार साव, साल्हेओना – विस्तार योजना का समर्थन करता हॅूं।
35. विकास गुप्ता, कुकुरदा – समर्थन।
36. संतराम, मनुवापाली – समर्थन।
37. महेश कुमार प्रधान, मनुवापाली – समर्थन।
38. सानुज लाल यादव, कोड़ातराई – समर्थन।
39. हरिहर दास, पतरापाली पूर्व –समर्थन। ये हमे रोजगार दी है प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से दिया है।
40. संतोष यादव, तमनार – समर्थन। टेक्नीकल युवाओं को रोजगार दिया है।
41. मनीष कुमार चौहान, कर्मचारी एमएसपी – समर्थन। प्रबंधन से निवेदन है कि कंपनी के विकास के साथ–साथ आसपास के गांवों का विकास करें।
42. उग्रसेन विश्वकर्मा, कोलाईबहाल – एमएसपी आने से आसपास के क्षेत्र के 40 –45 गांव के लोगों को रोजगार मिल रहा है। उड़ीसा से 40–45 कि.मी. दूर से लोग आकर काम कर रहे हैं। आने वालो 5–10 में डेढ़ लाख लोगों का जीवन यापन चलेगा। सभी का रोजीरोटी चल रहा है। प्लांट बढ़ेगा और पूरी क्षेत्र के सभी लोगों को रोजगार मिलेगा। तहे दिल से समर्थन।
43. चंदन सिंह चौहान, कोलाईबहाल – समर्थन।
44. मनोज चौहान, जामगांव – समर्थन।
45. संतोष शर्मा, तिलगा – समर्थन।
46. स्वपनिल कुमार गुप्ता जामगांव – पचरी बनाया, स्कूल बनाया, बाउंड्री बनाया । समर्थन।
47. अजीत कुमार गुप्ता, जामगांव बस्ती – समर्थन।
48. श्याम लाल यादव, कोलाईबहाल – समर्थन। बरसात का व्यर्थ जल को इकट्टा करने के लिए तालाब बनाये।
49. विनोद कुमार प्रधान, मनुवापाली – फैक्ट्री आने से पहले 20 साल पहले एक शर्ट था मम्मी पापा सब पहन लेते थे इसके आने से अब बहुत मिल रहा है।
50. सुरेन्द्र कुमार महापात्र, रेंगाली (उड़ीसा) – समर्थन।
51. संतोष कुमार बिसवाल, नवापारा – समर्थन।
52. राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – एमएसपी के विस्तार योजना का विरोध करता हूं। पर्यावरण एवं मंत्रालय द्वारा प्रशासन को माह जनवरी में पत्र प्रेषित कर दिया था जिसके तहत 45 दिनों में

जन सुनवाई होनी थी। इसलिए यह जन सुनवाई पूर्णतः अवैधानिक है। पर्यावरण रिपोर्ट जिस कंपनी ने तैयार किया है उसका सर्वे जमीनी स्तर पर नहीं किया जाकर अपने ऑफिस में ही तैयार करके दर्शा दिया गया है। वायु प्रदूषण के मानक के आंकड़े दिये गए हैं वह एक ऋतु के ही है। पर्यावरण के मानक के आकड़े तीनों मौसम में जांच कर दिये जाने चाहिए। यहां के जमीनों खेतों को देखने से यह कंपनी अब तक पर्यावरण नियमों का किस ढंग से पालन करती रही है या उल्लंघन करती रही है। मैं जानना चाहूंगा कि इस कंपनी द्वारा पर्यावरण उल्लंघन के कितने मामले रायगढ़ में दर्ज है? प्लांट वाले प्रदूषण को लेकर घुसकर मारपीट किये थे। गांव वाले हिंसा का रास्ता इख्तियार किया है प्रदूषण के मामले में। मारपीट की घटना घटती रही है। पर्यावरण रिपोर्ट में दो नालों से पानी लेने की बात कही है उन नालों में कितना पानी है और कितना पानी लिया जाना हैं पूरा नहीं बनाया गया है। उद्योग में 3 दर्जन से अधिक हैंड पंप है जिससे ग्राउंड वाटर का उपयोग किया जा रहा है जो गलत है। इन सब बातों को ध्यान रखते हुए कंपनी को लोक सुनवाई के लिए अनुमति दिया जाना न्यायोचित नहीं है। पर्यावरण मंत्रालय के लिए यह बात गौर करने की बात हैं कि छ.ग. में जन सुनवाई का कोई औचित्य नहीं रह गया है। छ.ग. में जन सुनवाई में 100 प्रतिशत आपत्ति दर्ज कराये जाने के बाद भी केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा स्वीकृति दे दी जाती है। वहां भ्रष्ट व चोर बैठे हैं। मैं पीठासीन अधिकारी से भी अनुरोध करता हूॅ कि वे भी अपना विचार/मत दर्ज करावें। जो अब तक नहीं कराया जाता रहा है। मैं पीठासीन अधिकारी एवं पर्यावरण मंत्रालय से निवेदन करता हूॅ कि जन सुनवाई की प्रकिया को समाप्त कर दी जानी चाहिए। इस परियोजना के 10 कि.मी. परिक्षेत्र में हर जगह डस्ट फैले हुए हैं। कंपनी द्वारा डस्ट को कही ंभी डंप कर दिया जाता है। जो डस्ट प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस कंपनी को विस्तार के लिए अनुमति दिया जाना मानव हित में नहीं होगा। जीवन अमूल्य है जीवन मूल्यों को किसी भी बिंदु से समझौता नहीं किया जा सकता है। जिला प्रशासन के पास कोई व्यवस्था नहीं है कि जनता को प्रदूषण के बारे में बताया जा सकें। वर्तमान में कितना प्रदूषण है इस बारे में जनता को कोई नहीं बता सकता। प्रदूषण के आंकड़े कपोलकल्पित है। संरक्षित वन का जो आंकड़ा दिया उसमें दोनों प्रकार का आंकड़ा दिया है। जबकि अध्ययन क्षेत्र में 90 प्रतिशत भूमि वन भूमि है। वन भूमि के बीच में किसी उद्योग को लगाया जाना उचित नहीं है। ईआईए में त्रुटि है। ऐसे फाल्स ईआईए रिपोर्ट तैयार करने वाली कंपनी पर 420 का अपराध दर्ज किया जाना चाहिए। प्रदूषण की यहां जो व्यापकता बनी हुई वह किसी से छुपी नहीं है। मैं जन सुनवाई का विरोध करता हूँ। यह लोक सुनवाई संविधान के विपरीत है। यह जन सुनवाई औचित्यहीन है। इसे यही रोका जाये।

53. गीता पटेल, सरपंच ग्राम पंचायत, कोइलंगा– समर्थन। मेरे समर्थन करने का उद्देश्य यह है कि मेरे द्वारा शासन से जो लाभ प्राप्त होता है। उसका लिमिट है। पंचायत और गांव के प्रतिनिधियों को उसमें पूरा लाभ नहीं मिल पाता है उससे वे असंतुष्ट रहते हैं। इन सभी कार्यों के लिए एमएसपी से सहयोग मिलता है। उससे स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सहयोग मिल जाता है। मैं फैक्ट्री को समर्थन करती हूॅ।
54. मंगली बाई, भुईयापाली – फैक्ट्री बनता है बन जाये।
55. सुकांती बाई, भुईयापाली – समर्थन।
56. शकुंतला, भुईयापाली– समर्थन।
57. लीलाबाई, भुईयापाली– मंजूर है।
58. रैवारी, भुईयापाली – लेबरों को तनखा कम दिया जाता है।
59. महिमा, भुईयापाली – समर्थन।

60. फूलबती, भुईयापाली – स्वीकार है।
61. सुखमती, भुईयापाली – समर्थन।
62. सरनबाई, मनुवापाली – हमर गांव में फैक्ट्री आ गीस है तो बहुत बढ़िया हो गीस है। लेकिन हमें बहुत तकलीफ है। छोटा छोटा बच्चा पैसा पाकर दारू पीता है। मुखारी तक नहीं करते पहले दारू पीते हैं। दारू गांजा बंद होना चाहिए। पैसा पाकर सभी लोग दारू पीते हैं। काम दे तो सबको दें नहीं तो मत दें।
63. पुन्नी बाई, बलभद्रपुर– समर्थन।
64. प्रभा, बलभद्रपुर – समर्थन।
65. सीता, बलभद्रपुर – समर्थन।
66. बुधियारिन, बलभद्रपुर – समर्थन।
67. मंगलाबाई, बलभद्रपुर – समर्थन।
68. जयंत बहिदार, संघर्ष मोर्चा, रायगढ़ – कंपनी पिछले कई वर्षों से संचालित है। रायगढ़ जिले में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, भूमि प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण यदि सबसे ज्यादा है तो यही है। कंपनी ने प्रदूषण रोकने के लिए कोई उपाय नहीं किये हैं। प्रदूषण नियंत्रण के उपकरण चालू नहीं रहते। जंगल क्षेत्र, खेतिहर क्षेत्र में धूल डस्ट पर्यावरण को नष्ट कर रहा है। पर्यावरण को यदि सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है तो वह जामगांव क्षेत्र। महुवा तेंदूपत्ता चार, डोरी ये उत्पादन यहां 10 प्रतिशत रह गया है। गांव वाले इस वनोपज का संग्रह कर अपने परिवार का जीवनयापन करके चलाते थे। कंपनी ने पर्यावरण कानून का उल्लंघन किया है। कंपनी द्वारा इस डेढ़ दो साले पहले से निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। कोई भी नई कंपनी या विस्तार कार्यक्रम को पर्यावरण मंत्रालय से स्वीकृति आवश्यक है। टीओआर के पश्चात् आवेदन करके ईआईए बनाया जायेगा फिर लोक सुनवाई होनी चाहिए। उसके पहले ही निर्माण कार्य चालू कर दिया है। इसकी शिकायत पिछले साल हमने किया था। इसकी जांच के लिए टीम बनाया गया था। परंतु उन्होंने जांच किया और जिला प्रशासन के अधिकारी उस जांच रिपोर्ट को दबाकर बैठ गये। बिना पर्यावरणीय स्वीकृति निर्माण कार्य और उत्पादन प्रारंभ कर दिया गया। कंपनियों के गैरकानूनी कार्य और अनियमितता भ्रष्टाचार और अपराध पर अंकुश नहीं लगायेंगे तो देश का नुकसान होगा स्थानीय लोगों का नुकसान होगा। जिला प्रशासन की कार्यवाही न करने के कारण आज अराजकता की स्थिति है। और आज जन सुनवाई नहीं होती । स्पंज आयरन कारखाना का गेट कहां है ? उसकी बाउंड्री कहां है ? कंपनी से पूछो। मेरा यह आरोप है कि ये समर्थन हो रहा है कंपनी और जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित है। ये जिला प्रशासन करा रहा है। एमएसपी का एक और पंजीकृत कंपनी है एमएसपी स्टील एंड पावर लिमिटेड कारखाने का 3–3 गेट है। परंतु स्पंज आयरन कारखाना का गेट नहीं है। कंपनी का विभाजन होना चाहिए। वन विभाग की जमीन पर कब्जा किया गया है इसकी जांच होनी चाहिए। उद्योग के नाम से कोई बोर्ड नहीं लगा हुआ है और न ही उसका कोई गेट है। कंपनी द्वारा धोखा दिया जा रहा है। कंपनी ने वन विभाग की जमीन पर कब्जा किया गया है। बिना पर्यावरणीय स्वीकृति के पैलेट प्लांट का निर्माण किया गया है। इसकी जांच होनी चाहिए यह गैर कानूनी है। स्पंज आयरन कंपनी को स्थापना सम्मति 1 अप्रैल 2005 को पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर मुख्यालय द्वारा स्थापना सम्मति दी गई थी और उसको 13 जुलाई 2007 को एक फर्नेस का उत्पादन सम्मति मिला । उसने सिलको मैगनीज और फेरो मैगनीज के उत्पादन के लिए प्रतिवर्ष 13328 टन उत्पादन के लिए सम्मति के लिए दिया गया। उत्पादन सम्मति गैर कानूनी तरीके से दिया गया 2008 में। जबकि 14 सितंबर 2006 लागू हो चुका था। तब पर्यावरण नियम लागू हो चुका था। पर्यावरण विभाग को

क्षमता विस्तार की अनुमति नहीं दी जानी थी यह गैर कानूनी है। एमएसपी आज जो उत्पादन दिखा रहे हैं वह उत्पादन कर रहा है। इस क्षेत्र में भारी प्रदूषण है। पूरा क्षेत्र डस्ट से पटा हुआ है। पूरा अध्ययन क्षेत्र में केवल 3 प्रतिशत जंगल बताया जाता है। यह क्षेत्र पूरा क्षेत्र हाथियों के आने जाने का रास्ता है। इस क्षेत्र को हाथियों का रिजर्व क्षेत्र बनाना चाहिए। हाथियों द्वारा मारे जाने, फसल नुकसान हुआ है। इस पर भी प्रशासन द्वारा इस क्षेत्र को हाथी रिजर्व क्षेत्र नहीं बनाया गया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का पालन नहीं किया जाता है। कंसलटेंट की जांच होनी चाहिए। इस कंपनी के उपर में किसी भी प्रकार का कोर्ट केस लंबित नहीं है कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है। पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ़ ने 1 जून 2006 में इसकी जांच किया। 12 मेगावाट पावर प्लांट को चालू हालत में पाया गया। 4 महिने बाद सितंबर मे ंपुनः जांच किया केप्टिव पावर प्लांट को पुनः प्रारंभ पाया। इस पूरे मामले का कोर्ट में परिवाद दायर किया। इस प्रस्तावित परियोजना के लिए दो नालों से पानी लेने की बात कही गई इस नाले में पानी का प्रवाह ही नहीं है। जल संसाधन विभाग क्या कर रहा है? स्टील और पावर प्लांट में 3 दर्जन से अधिक टयूबवेल है। कम्पनी द्वारा इसे दबाकर रखा गया है। इसकी जांच की जाये। भूमिगत जल का उपयोग कर रहे है। नाले में उतना पानी नहीं है जिसका यह उपयोग कर सके। हमारे नालों में जितना पानी नहीं है ठेकेदार उतना दारू बहाते हैं। लोगों को काम नहीं मिल रहा है दारू पी रहे हैं। उद्योगों के साथ मिलकर सरकार इस गांव में विकास नहीं करती है ताकि गांव वाले कंपनी के पास गिड़गिड़ाये तथा लोग मजबूर होकर अपनी छोटी छोटी आवश्यकताओं के लिए कंपनी के सामने घुटने टेके। इस परियोजना को पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलनी चाहिए। इस कंपनी का विरोध करता हूॅ। मेरी कही गई बातों को दर्ज किया जाये इसकी जांच होनी चाहिए।

69. गोमती भोई, मनुवापाली, मितानीन – एमएसपी उद्योग की क्षमता विस्तार के समर्थन के संबंध में पढ़ कर सुनाई। गांव के लोगों को रोजगार मिला है। विकास के लिए काम किया गया है। हमारे गांव में पानी की व्यवस्था किया गया है। तालाब में पचरी निर्माण कराया गया है। तलाब के किनारे शिव मंदिर बना रहा है। समलेश्वरी मंदिर बनाया है। गांव में गलियों की साफ सफाई करता है। स्कूल में घेरा बनाया है। गांव के बच्चे के पढ़ने के लिए बस की सेवा की व्यवस्था किया गया है। पक्का सड़क बनाया है। सड़क के किनारे वृक्ष लगाया गया है। सड़क की सफाई कराई जाती है। और सड़कों पर पानी डाला जाता है जिससे धूल नहीं उड़ता है। प्राथमिक शाला में शिक्षक की व्यवस्था की गई है। अंग्रेजी स्कूल खोला गया है जिससे बच्चों को अच्छा शिक्षा मिल रहा है। जामगांव में अस्पताल खोला गया है। डॉक्टरों द्वारा इलाज किया जाता है। सार्वजनिक कार्य में सहयोग करते हैं। गर्भवती माता को उपचार के लिए तत्काल एंबुलेंस देता है। गांव में जो भी विकास हुआ है वह एमएसपी द्वारा किया गया है।

70. चंद्रकांती गुप्ता, छुईपाली– समर्थन।

71. हरिप्रसाद भाठ, नटवरपुर – विस्तार से समर्थन है। ठेकेदार में काम करे मजदूरों को सही रूप से मजदूरी नहीं दिया जा रहा है। इनको हेलमेट जूता नहीं मिलता है। लेबरों को सही ढंग से पेमेंट मिला चाहिए।

72. फकीरा साहू, बनोरा– इस क्षेत्र के विकास के लिए एमएसपी तत्पर रहा है। स्वास्थ्य के लिए कंपनी द्वारा वाहन रखा गया है। मरीजों को रायगढ़ लाने ले जाने में सुविधा होती है। शिक्षा के लिए स्कूलों की सुविधा मिल रही है। समर्थन।

73. किशोर बारीक, कोईलंगा – एसएसपी कंपनी के विस्तार का समर्थन करता हूॅ। हमारे इस क्षेत्र में एमएसपी के माध्यम से नेहरू जी का सपना साकार हो रहा है। वर्तमान में एमएसपी के द्वारा इस अंचल का विकास हुआ है। गांव से सैकड़ों लोग एमएसपी में काम करने आते हैं।

प्रदूषण हो रहा है लेकिन हजारों गुना फायदा हो रहा है। यहां के किसान आर्थिक रूप से समृद्धि हो रहे हैं। व्यापारियों को फायदा हो रहा है। एमएसपी द्वारा यहां के बच्चों को काम देकर सरकार की मदद कर रही है। एसएसपी के माध्यम से कार्मेल स्कूल चल रहा है। 10 किमी के अंदर कोई भी विरोध नहीं कर रहा है। अगर हमको फायदा हो रहा है तो निश्चित रूप से हमको समर्थन करना चाहिए। मैं कपनी का समर्थन करता हूं।

74. विनिता चौहान, छुईपाली – बरसात के कारण गांव की कूर नदी में गंदा पानी आता है। कंपनी के द्वारा आयरन पानी, कोयला पानी नाले में छोड़ दिया जाता है। जिसके कारण हम नहां धो नहीं पाते है। पहले नदी के पानी को खाते पीते थे। हमारे गांव के स्कूल में बांउड्री नहीं है। गांड़ी मोटर आता जाता है। छोटे छोटे बच्चे रोड मे ंआते जाते है इनकी सुरक्षा के लिए स्कूल में बांउड्री की आवश्यकता है।
75. शोभावती, छुईपाली, गायत्री महिला समूह – समर्थन। मिडिल स्कूल के ओर जाने वाला रोड बरसात में कीचड़ हो जाता है। उसका सुरक्षा किया जाये।
76. सावित्री, बेहरापाली – समर्थन।
77. गीता सिदार, बेहरापाली – समर्थन।
78. देवकुंवर, बेहरापाली– समर्थन।
79. रूकनीन, बेहरापाली – समर्थन।
80. मालती बाई, बेहरापाली – समर्थन।
81. श्यामा, बेहरापाली – समर्थन।
82. सत्यवती गुप्ता, कोईलंगा– मोहल्ला मोहल्ला में बोर एवं हैंड पंप चाहिए। कोईलंगा स्कूल में गेट चाहिए।
83. जमुना साव, कोईलंगा – शिवमंदिर में पूजा के लिए सहयोग चाहिए। पानी की व्यवस्था नहीं है।
84. मेनका , कोईलंगा– शिवमंदिर में निर्माण के लिए सहयोग चाहिए।
85. राजकुमार पटेल, मनुवापाली– मैं कंपनी में जमीन दिया हूॅं । नौकरी की बात कही गई थी। हमारी स्थिति देखो। आज नौकरी नहीं दे रहा है। मैं कंपनी का इज्जत करता हूॅं। प्रशांत पांडेय को देखकर इस क्षेत्र का पर्यावरण शरमा जायेगा। मैं बेरोजगार हूॅं। 5 बच्चों का बाप हूॅं मैं इनका पालन कैसे करूंगा। पैलेट प्लांट में जमीन मेरा है। मेरे उपर अटैक भी हो सकता है।
86. निवास कुमार प्रधान, मनुवापाली– सभी गरीब किसानों की जमीन को औने पौने दाम में लिया गया है। कंपनी का मैं विरोध करता हूॅं। कंपड़ा काला हो जाता है। पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। पानी गंदा हो रहा है। गांव के सभी लोगों को लेबर काम करने की स्थिति का जिम्मेदार प्रशांत पाण्डेय है। मनुवापाली में 5 लाख रूपया एकड़ किसी को भी नहीं मिल पाया है। जबकि जेएसडब्ल्यू का रेट 10 लाख रू. है। जो भी जमीन खरीदी बिक्री की जा रही है वह न्यूनतम रेट में की जा रही है। सरकारी तौर पर उचित रेट मिले तभी विस्तार हो पायेगा। जो जमीन खरीदी हो रही है सरकारी रेट पर उचित दर पर की जाये। किसी दलाल से संपर्क न करें।
87. मुनु कुमार गुप्ता, जामगांव – समर्थन।
88. करूणा सागर बेहरा, मनुवापाली – आसपास के लोगों को रोजगार नहीं मिल पाता है। बाहरी लोगों को इस प्लांट में प्राथमिकता दिया जाता है। नाले में प्रदूषण की समस्या बढ़ गई है। कंपनी द्वारा किसी की भी जमीन पर कोयला डाल दिया जा रहा है। कंपनी में वर्करों को सही

रेट दिया जाये। आसपास के गांव के लोगों को काम दिया जाये। स्कूल व पंचायत भवन में साफ सफाई पर ध्यान दिया जाये। बोर की व्यवस्था की जाये।

89. उद्धव गुप्ता, मनुवापाली – समर्थन।

90. संजय कुमार बिसवाल, जनपद पंचायत सदस्य, नवापारा– समर्थन। ग्राम कोलाईबहार से ग्राम बेलेरिया से कूर नदी जो बहती है उसमें शासन के द्वारा ग्राम बेहरापाली स्टॉप डेम के पास उसका हम विरोध करते हैं। कूर नदी में प्लांट द्वारा गंदा पानी छोड़ा जा रहा है। कंपनी को ग्राम बेलेरिया से पानी दिया जाये। शासन के मापदंडों के अनुसार लेबर पेमेंट करवाया जाये। ठेकेदारों द्वारा लेबरों को पेमेंट डेढ़ माह बाद किया जाता है जिससे लेबरों को परेशानी होती है।

91. राधा, बेहरापाली – समर्थन।

92. राजकुमार, बेहरापाली, मितानिन – समर्थन।

93. गुलापी प्रधान, बेहरापाली मितानिन – समर्थन।

94. अंबिका यादव, मनुवापाली – गरीब की मजदूरी नहीं देखा गया। कंपनी द्वारा गरीबों को सहारा देना चाहिए।

95. कस्तूरी बाई, नटवरपुर – लिखित कागज दिया गया।

96. सोहन लाल बेहरा, तिलगा – कंपनी का हार्दिक स्वागत है। सरकार का फंड आता है उसी प्रकार कंपनी सरपंचों को फंड दें जिससे सरपंच गांव में काम कराये। रोड पर पानी छिड़काव कराये।

97. सीताराम राठिया, उपसरपंच, तिलगा – हमारे गांव में एमएसपी की गाड़ी गुजरता है जिससे धूल उड़ता है जिससे गांव वाले परेशान है। गांव में रोड की व्यवस्था करें पानी छिड़काव करें। बच्चे स्कूल जाते है। गांव के स्कूल में सहयोग करें। गाड़ी गांव के बीच से जाती है। सड़क पर सावधानी से गाड़ी चलाये।

98. दौलत राम चौहान, तिलगा – गांव के विकास के लिए समर्थन करता हूं।

99. सुरेश कुमार विसवाल, जुनाडीह – कंपनी बहुत अच्छा काम किया है। मंदिर बनाया है पुल बनाया है। समर्थन।

100. जेहरू लाल चौहान , मनुवापाली – 9 साल कंपनी में काम करते हुए हो गया है। मैं ठेकेदारी में हूँ 110 रू. मिलता है। 150 रू. मिलना चाहिए।

101. सुरेन्द्र कुमार गुप्ता, जामगांव – समर्थन।

102. पदमलोचन सिदार, जामगांव बस्ती – समर्थन।

103. मनोज कुमार गुप्ता, जामगांव बस्ती – समर्थन। हमारे स्कूल के बच्चों के लिए बस की सुविधा होनी चाहिए।

104. विद्याधर पटेल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, भुईंयापाली – जनता को गरीब भाईयों को साथ लेकर चले। फैक्ट्री के स्थापना से योग्यतानुसार काम दिया जा रहा है। योग्यतानुसार हर व्यक्ति को नौकरी दिया जा रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी के लिए सहयोग किया जा रहा है। हर स्कूल में एक–एक शिक्षक दिया गया है। हैंड पंप दिया गया है। कूर नदी में गंदी पानी की समस्या है। हर गांव में पेयजल के लिए नल की व्यवस्था की जाये ताकि स्वच्छ पानी लोगों को मिले। समर्थन।

105. नकुल सतनामी, जामगांव बस्ती – समर्थन।

106. रघुवीर प्रधान, एकता परिषद, रायगढ़ – यह मंच ईआईए 2006 के प्रावधानों के तहत् कंपनी के प्रबंधकों को अंदर बैठाया गया है, यह नियमों का उल्लंघन है। ईआईए नोटिफिकेशन में समर्थन विरोध का कोई जिक्र नहीं है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए

उद्योग/खदान खोले जा रहे हैं। महानदी में इतना जल स्तर नहीं है जिससे उद्योग खदान खोला जा सके। कूर नदी में इतना बहाव नहीं है जिससे उद्योग खोला जा सके। कंसल्टेंट केंद्रीय मापदंड को पूरा नहीं करती है। सपनई नाला और कूर नाला से कितना पानी लिया जायेगा, कितना पानी है और कितना चाहिए ? इसका मेजरमेंट नहीं किया गया है। यहां जो डाटा कलेक्शन किया गया है केवल एक सीजन का किया गया है और उस सीजन में किया गया है जिसमें प्रदूषण का मानक कम होता है। यहां 5 प्रोटेक्टिव फारेस्ट एवं 03 रिजर्व फारेस्ट है। संरक्षित वन है वहां 30 प्रतिशत से ज्यादा जंगल नहीं होगा। दो दिन पहले इस क्षेत्र में पानी का छिड़काव किया गया था इससे पहले नहीं किया जाता है। प्लांट यहां लगाते हैं और ऑफिस दिल्ली कलकत्ता में है। कितने आदमी की जमीन छीना गया है और कितने आदमी को रोजगार दिया गया क्या यही विकास है? क्या सरपंचों द्वारा उद्योग प्रबंधनों को बेजा कब्जा हेतु नोटिस दिया गया है?

107. रामकुमार, जामगांव – समर्थन।
108. सरस्वती, बेहरापाली – समर्थन।
109. सुभाष बेहरा, जामगांव बस्ती – समर्थन।
110. कमलधर पटेल, छुईपाली – कूर नदी के पानी को बेलेरिया से लेने हेतु मेरा समर्थन है। तालाब में दो पचरी बनाने के लिए निवेदन करता हूं। नल की व्यवस्था की जाये। स्कूल में बांउड्री वाल की व्यवस्था की जाये। समर्थन।
111. सुमति भोई, मनुवापाली – पानी की असुविधा हो रही है उसकी सुविधा की जाये।
112. नारायणी, मनुवापाली – काम कर रही हूँ उसका पैसा ठीक से नहीं मिल रहा है।
113. हीरामती, सिकोसीमाल – समर्थन।
114. दुरमती, सिकोसीमाल –
115. दुर्गाबाई, सिकोसीमाल – समर्थन।
116. सावित्री यादव, कोलाईबहाल – गांव में पानी की समस्या है। दारू भट्‌टी को दूर किया जाये।
117. उजली, कोईलंगा – शिवमंदिर का अधूरा काम को पूरा किया जाये। स्कूली बच्चों के लिए बस की सुविधा की जायें।
118. तारा यादव, कोईलंगा – समर्थन। मिडिल स्कूल के लिए गुरूजी चाहिए।
119. सुमित्रा यादव, कोईलंगा – समर्थन।
120. उषा चौहान , कोईलंगा – समर्थन।
121. राधिका, मनुवापाली – खर्चा चाहिए।
122. सुंदर लाल, छुईपाली – कूर नदी के बारे में बहुत कहा गया है। कंपनी को समर्थन करता हूँ। हम भजन कीर्तन करने वाले है। कंपनी की तरफ से सहायता मिले ।
123. ताराचंद यादव, छुईपाली – मनोरंजन घर है वह टूट गया है। उसके लिए सहयोग करें। समर्थन।
124. कठरा चौहान, जामगांव – समर्थन।
125. गोपाल कुमार यादव, बलभद्रपुर – समर्थन।
126. बेलारसिंग बिसी, छुईपाली – समर्थन।
127. कलिंदर, बलभद्रपुर – समर्थन।
128. चूड़ामणी बारीक, बेलेरिया – नदी के बारे में असहमत हूँ। कंपनी द्वारा विस्तार किये जाने पर जल निर्वाह हेतु परेशानी होगी। जल व्यवस्था पूर्ण की जाये। गांव के पानी को कंपनी लेगा तो लोग बेरोजागार हो जायेंगे। लोग सड़क पर आ जायेंगे।
129. दुर्गाप्रसाद चौहान, कोलाईबहाल– समर्थन।

130. श्यामलाल राठिया, मनुवापाली – मेरे जमीन को डस्ट से पाट दिया गया है। बर्बाद कर दिया है। मेरा 5 एकड़ जमीन है। 3 एकड़ जमीन को डस्ट से पाट दिया गया है। फसल डबल होता था वह भी नहीं हो रहा है। थाना जाने पर भी कोई सुनवाई नहीं हुई।
131. परदेशी सिंह, कोईलंगा – समर्थन।
132. जय चौहान, जामगांव स्टेशन, – समर्थन।
133. ठठारिन बाई राठिया, सिकोसीमाल – स्वागत।
134. रईबारी, सिकोसीमाल – रोड ठीक करें। समर्थन।
135. आसमती, सिकोसीमाल – पानी नहीं आ रहा है बोर चाहिए।
136. शांतीबाई, सिकोसीमाल – खेत सूख गया है पानी चाहिए।
137. राधा चौहान, मनुवापाली – मुहल्ले में बोर नहीं है बोर चाहिए। तालाब में पचरी चाहिए।
138. सुशीला चौहान, मनुवापाली – छोटे बच्चे का इलाज चाहिए।
139. अजय यादव, जामगांव – समर्थन।
140. अखिलेश चौहान, जामगांव – समर्थन।
141. कमलेश चौहान, जामगांव – समर्थन।
142. करण दास, जामगांव – समर्थन।
143. ओम चौहान, जामगांव – समर्थन।
144. राजेश जेना, मनुवापाली – हमारे क्षेत्र में विकास हुआ है। गांव के बच्चे बस के द्वारा स्कूल जाते हैं। प्राथमिक शाला मनुवापाली में दरवाजा और बांउंड्री की व्यवस्था कराई गई है। शेड का निर्माण कराया गया है जिसमें बच्चे खाना खाते हैं। पानी टंकी का निर्माण कराया गया है जिससे ग्राम में पानी की समस्या दूर हुई है। तालाब में दो पचरी का निर्माण कराया गया है। जिससे नहाने में सुविधा हुआ हैं बेरोजगारों को योग्यतानुसार रोजगार मिला है। हमारा जीवन स्तर पहले की अपेक्षा ऊंचा हुआ है। 24 घंटे एम्बुलेंस की सुविधा दी गई है। आर्थिक सहायता करती है। इसका श्रेय प्रशांत पांडेय जनसंपर्क अधिकारी को जाता है। हमारी समस्याओं का समाधान करने की हरसंभव कोशिश करती है। समर्थन।
145. सुशील कुमार चौहान, जामगांव – समर्थन। लेबर रेट कम से कम 120 रूपया होना चाहिए।
146. शंभू चौहान, जामगांव – समर्थन।
147. किशन चौहान, जामगांव – समर्थन।
148. तेजराम गुप्ता, लोईंग – समर्थन। गौर चंद्रा सर को हटा दिया जाये।
149. प्रसन्न कुमार साव, पंच, सकरबोगा – समर्थन। रोजगार मिला। क्षेत्र का कल्याण होगा।
150. चंदन लाल, सकरबोगा – समर्थन।
151. प्रहलाद कुमार प्रधान, मनुवापाली – मैं दोनों पैर से विकलांग हूँ। मैं कंपनी का समर्थन करके सबसे पहली गलती की थी। भविष्य में ऐसी गलती नहीं करूंगा। प्रशांत पांडेय के अंडर 5 साल तक काम किया। जनवरी 2007 से काम पर रखा। 2000 रूपया तनखा दी । मैने आज तक किसी भी प्रकार की शिकायत का मौका नहीं दिया। कंपनी का समर्थन नहीं करूंगा। कंपनी द्वारा डस्ट को बालू से ढक रही थी। जंगल के पौधों को नहला रही थी। पढ़कर सुनाया गया। बिना इंकवारी के कंपनी ने मुझे हटा दिया गया।
152. दयालु प्रसाद, सकरबोगा – समर्थन।
153. रमेश अग्रवाल, जनचेतना रायगढ़ – ईआईए में कितनी सत्यता है उसे ग्रामीणों ने बताई है। कूर नदी में काला पानी छोड़ने की समस्या आज से नहीं है जब से प्लांट स्थापित हुआ है तब से यह समस्या चली आ रही है। अन्य जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारी को पत्र लिखा गया इन 7 सालों में पर्यावरण विभाग ने सम्मति देने के अलावा कोई काम

नहीं किया गया। ईआईए रिपोर्ट किसी और क्षमता के लिए बनाई गई किंतु पर्यावरण मंत्रालय द्वारा टी.ओ.आर. किसी और क्षमता के लिए ग्रांट किया गया है। टीओआर और ईआईए में मेजर डिफ्रेंस है। 12 गुना बढ़ाकर प्रपोज कर रहे है। फिर इसकी जन सुनवाई करा रहे हैं। पैलेट प्लांट एवं स्पंज आयरन प्लांट के पास मुनारे थे वह आज नहीं दिखे। जंगल की जमीन में फैक्ट्री है क्या इसकी जांच होनी चाहिए ? प्रस्तावित प्रोजेक्ट की लोकेशन क्या है? यदि ये वही साईट है तो वहां पर एक्सपांशन का 70 से 80 प्रतिशत काम हो चुका है क्या इसकी जानकारी है? बिना पर्यावरणीय स्वीकृति के निर्माण कार्य किया जा चुका है। इसकी जांच की जाये कि इस प्राजेक्ट पर कितना कार्य हो चुका है। आज रायगढ़ जिला प्रदूषण की चपेट में आ गया है। 50 मेगावाट भी प्रपोज्ड है। इंपोरटेड कोल के लिए एमओयू इनके पास है। एसईसीएल के कोल के लिए लिंकेज कहां से लिया जायेगा ? ईआईए में इसका उल्लेख कहां है? केंद्रीय वन एवं पर्यावरण के निर्देशानुसार जब तक कोल लिंकेंज परफेक्ट न हो तब तक उसे कोयला नहीं दिया जायेगा। कोयले के स्त्रोत के बारे में जानकारी नहीं है। यह स्टडी अधूरी है। डोमेस्टिक कोल हेतु कितनी गाड़ियां लगेंगी ? इसकी जानकारी नहीं है। पानी की आवश्यकता के लिए राज्य निवेश विभाग का रिपोर्ट लगा दिया गया है जिसमें पानी का कमिटमेंट नहीं है। कोयला नहीं है। इसके बिना परियोजना कैसे लगेगी ? भूजल के अंधाधुंध दोहन के लिए मुख्यमंत्री ने जांच कर बंद किये जाने के निर्देश दिये गए हैं। इसकी जांच में पाया गया था कि दोनों प्लांटों में अंधाधुंध भूजल का उपयोग होना पाया गया। एमएसपी पैलेट द्वारा 2880 घनमीटर प्रति दिन एवं स्पंज प्लांट 1920 घनमीटर प्रतिदिन उपयोग होना बताया गया है। पानी कूर नाला से लिया जायेगा कि इसका उल्लेख ईआईए में नहीं किया गया है। वर्तमान में जो प्लांट चल रहा है उसके लिए पानी कहां से लिया जा रहा है ? इसका बात का स्पष्टीकरण लेना उचित होगा। यदि भूजल का उपयोग कर रहे हैं तो तत्काल प्लांट बंद कर दिया जाना चाहिए। कंपनी द्वारा गंभीर अपराध किया जा रहा है इसके लिए कंपनी को पर्यावरणीय स्वीकृति नहीं मिलनी चाहिए। ईआईए रिपोर्ट जो बनाई गई है ये मंत्रालय द्वारा टीओआर के अनुसार बनाना चाहिए जो इसके अनुकूल नहीं है। पूर्व में जो स्वीकृति दी गई है उसमें जो शर्तें दी गई थी उसमें से अधिकांश शर्तों का पालन नहीं किया गया है। बोर्ड द्वारा जो कन्सेंट दिया गया था उसमें 15 महिने के अंदर कंप्रेसिव इन्वारमेंट स्टडी सबमिट करना था जो 7 साल बाद भी सबमिट नहीं की गई है। इसके बावजूद भी उनका रिनिवल आराम से कर दिया जाता है। यह नोट किया जाये कि मैं बीच में छोड़कर लिखित देकर जा रहा हूं।

154. विजय यादव, महापल्ली – समर्थन। आज मैं गाड़ी चलाना सीख गया हूं। आज मैं कमा लिया मैं कुछ सीख गया हूं। आज मैं चार पहिया वाहन चला रहा हूँ। मेरा परिवार अच्छे से हैं। कंपनी के विस्तार के लिए मैं सपोर्ट करता हूँ।

155. अखिलेख गुप्ता, लोईंग – कंपनी से लोईंग तक की स्थिति डिंमरापुर चौक जैसे होने जा रही है। इसलिए मैं कंपनी का समर्थन करता हूं।

156. तिलकराम प्रधान, पूर्व जनपद सदस्य, कोलाईबहाल – इस क्षेत्र में हजारो पेड़ कट रहे थे। पर्यावरण को बचाने के लिए हमने विचार किया और चर्चा की। इंड एग्रो को भी हमने सहयोग किया । उसके बाद एमएसपी आई उसके बाद कंपनी को हमने 22 एकड़ जमीन दिया। कंपनी ने कहा इतनी कम जमीन में हम कहां से उद्योग लगायेंगे ? हमने जमीन दिया। आज इंडस्ट्री बैठा है। आज कंपनी के नाम से इस क्षेत्र की जनता जी रही है। आज पेड़ों का कटना रूक गया हैं । आज आदमी कंपनी में काम कर रहा है। पेड़ कटना रूक गया है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को काम मिले ऐसी कोई तकनीक लाये जिससे लोगों को रोजगार मिले। कंपनी को निवेदन करता हूं कि बड़ा से बड़ा कंपनी लगाये। मेरा 5 एकड़ जमीन है मैं कंपनी को

सबसे पहले जमीन दूंगा। कंपनी को मेरा पूरा समर्थन है। आज इस क्षेत्र में कोई भी परिवार के लोग पेड़ काटने नहीं, पेड़ लगाने जाते है। यह एमएसपी की देन है।

157. प्यारे लाल गुप्ता, जामगांव बस्ती – कंपनी के लिए 42.6 एकड़ जमीन हमने पहले दी है। यहां रोजगार भी बढ़ रहा है। ज्यादा उत्पादन से क्षति तो कुछ होगा। आज कंपनी प्रत्येक गांव में जाकर पानी, स्कूल की बांउड्री की सुविधा, इंग्लिश स्कूल की सुविधा, यहां के बेरोजगार जो बाहर कमाने खाने जाते थे वो अभी नहीं जा रहे है। मेरा पूरा समर्थन है। बाहर का आदमी और लोकल आदमी की भावना को त्याग देते तो अच्छा होता। इसे सुधारा जाये।

158. राजेश त्रिपाठी, जनचेतना, रायगढ – 42 एकड़ जमीन एमएसपी को दिया। जो बाहरी और आंतरिक का मामला है वही मेरा मामला है। जो अपने प्राकृतिक संसाधनो से लाभांश लेने का भी पहला हक उन्हीं लोगों का है। कंपनी के आने से कितनी बेरोजगारी कम हुई है उसे आज हम इन्हीं मंच से देख रहे है। कई लोग बेरोजगार है दिखाई दे रहा है। आज कंपनी के अंदर 5000 लोग काम कर रहे हैं तो उसमें 100 लोग स्थानीय होगें और वे भी ठेकेदार के अंदर काम कर रहे हैं। यहां के छोटे से छोटा किसान परवल का खेती करता था। जामगांव का परवल पूरे देश में प्रसिद्ध था। औद्योगिक प्रदूषण से इस क्षेत्र की परवल की खेती पूरा का पूरा खत्म हो गई। वन संपदा इस क्षेत्र में व्यापक पैमाने में थी। प्रत्येक आदमी 10 से 15 हजार का डोरी महुवा कलेक्शन करता था। आज वह महुवा की खेती औद्योगिक प्रदूषण की खेती खत्म हो गई। कंपनी के गेट खोलने और बंद करने के लिए शिक्षित आदमी की आवश्यकता नहीं है। अनपढ़ और गरीब आदमी कंपनी के अंदर काम कर सकता है फिर भी कहा जाता है आप पढ़े लिखे हो कि नहीं। कंपनी के 20 मीटर बाउंड्री के चारों ओर हरितक्रांति किया जायेगा। जबकि चारों ओर फॉरेस्ट एरिया है। फॉरेस्ट के मुनारे को कंपनी द्वारा उठाकर फेंक दिया बाद में फॉरेस्ट विभाग द्वारा कहा गया कि हाथी ने मुनारे को उखाड़ कर फेंक दिया। ईआईए में जो त्रुटि है उसे पूरा कर कंपनी चलाये। कंपनी का प्रदूषित पानी नाले में छोड़ा जाता है वह सत्य है। रायगढ़ जिले से उद्योग से निकलने वाले फ्लाई एश का कोई डिस्पोजल नहीं हो रहा है उसका डिस्पोजल होना चाहिए। आज जिस कंपनी की जनसुनवाई की जा रही है उसका 80 प्रतिशत काम हो चुका है। काम होने के बाद हमारा मत लेने की क्या जरूरत है? कमेटी हर महिने आती है और उसे 80 प्रतिशत काम दिखाई नहीं देती। ऐसी जन सुनवाईयों का मैं विरोध करता हूॅ।

159. सुभाष कुमार साव, अध्यक्ष वन प्रबंधन समिति, सकरबोगा – कंपनी 2004 से यहां बैठी है। उस समय इस क्षेत्र की जनता ने कंपनी को भूमि दिया। क्षेत्र की जनता कंपनी को सहयोग कर रही है। कंपनियां क्षेत्र की विकास के लिए सोच विचार कर आते हैं। क्षेत्र की जनता कंपनी के लिए क्या कर रही है यह सोच में आता है। विस्तार होने से इस क्षेत्र के लोगों को काम मिलेगा। कंपनी इस क्षेत्र के विस्तार के लिए काम कर रही है। कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

160. रामप्रसाद सिदार, मनुवापाली – दारू और शराब छोड़ो जिंदगी को गढ़ो। जो भी दुर्घटना एक्सीडेंट हो रहा है यह सब दारू के चलते हो रहा है। शराब के चलते गांव में विकास नहीं हो पा रहा है। उद्योग के आने से हमारे क्षेत्र के लागों को युवा वर्ग को रोजगार मिला है। पहले इस क्षेत्र के लोग लकड़ी बेचते थे और आज यहां के लोगों को रोजगार मिला। कंपनी के विस्तार को मैं समर्थन करता हूं।

161. प्रदीप कुमार मिश्रा, बनोरा – फैक्ट्री में विस्तार होता जायेगा वैसे वैसे लोगों को रोजगार मिलेगा। एमएसपी अच्छी कंपनी है। हम इसका स्वागत करते हैं।

162. अरविंद गुप्ता, टारपाली – समर्थन। कंपनी से अनुरोध है कि आसपास में बेरोजगारों को तकनीकी शिक्षा दें और रोजगार दें।

163. अमित कुमार, सकरबोगा – कंपनी का सपोर्ट करता हूँ। आसपास कैंप लगाये और उनकी क्वालीफिकेशन के आधार पर रोजगार दिया जाये।
164. राजकुमार खमारी, जामगांव – प्रशांत पांडेय के बारे में जो कहा गया था वह गलत हैं वे सब की बात सुनते हैं।
165. महेन्द्र गुप्ता, कोलाईबहाल – एमएसपी हमारे लिए वरदान है।
166. गंगाराम चौहान, कोटमार – समर्थन।
167. पवित्र कुमार सिदार, बेहरापाली – समर्थन।
168. पुरूषोत्तम दुबे, सिकोसीमाल– समर्थन।
169. राकेश किसान, महापल्ली – मजदूर की मजदूरी 300 रू. देनी चाहिए।
170. सुखलाल राठिया, सिकोसीमाल – समर्थन।
171. सूरज राठिया, सिकोसीमाल – समर्थन।
172. हलधर कुमार जेना, मनुवापाली – आज से 8 साल पहले मनुवापाली को कोई नहीं जानता था। एमएसपी की वजह से आज सब लोग जानते हैं। जामगांव स्टेशन में न धंधा चलता था न रोजगार चलता था वह भी जामगांव स्टेशन नामी हो चुका है। स्पंज आयरन के पास गेट बना हुआ है। जमीन खरीदने कंपनी नहीं आती हम कंपनी को जमीन देते हैं। कंपनी को हमने बुलाया है। कंपनी के प्रबंधकों से निवेदन करते हैं कि हमारे साथ कोई बुरा व्यवहार नहीं करे। मनुवापाली गांव में कम से कम 12 लोग कटर, वेल्डर, फीटर बन चुके हैं। मैं जनसुनवाई का पूर्ण समर्थन करता हूं।
173. पांडव कुमार गुप्ता, मनुवापाली – समर्थन। आज हमारे गांव में हर खंभे पर लाईट लगी है। क्योंकि दो दिन बाद जन सुनवाई होना है। मेरी मांग है कि हर दिन ऐसी लाईट लगे। पानी की सुविधा हो, पचरी बने। आसपास के गांव कंपनी के डस्ट से त्रस्त हैं। ज्यादा से ज्यादा सुविधा लोकल गांवों में मिलनी चाहिए। कंपनी में छोटी मोटी घटनाए होती है। गांव वालों को बुलाकर कंपनी के साथ समझौता होना चाहिए। सभी लोगों के मदद से बड़ा से बड़ा काम हो सकेगा। आज रोड साफ सुथरा है क्योंकि लोक सुनवाई होना हैं यह हर दिन होना चाहिए। लोकल आदमी को 100 प्रतिशत रोजगार मिलना चाहिए। हर सुनवाई के लिए हर ग्रामीण तैयार रहेगा।
174. सरातन भोई, कोइलंगा – समर्थन। नीचे मोहल्ला में मंदिर अधूरा है उसे पूरा किया जाये, पानी की व्यवस्था करें।
175. सालिकराम, मनुवापाली – 3 एकड़ जमीन पर डबल फसल होता था। उसमें फसल नहीं हो रहा है।
176. मनोज कुमार पंडा, जामगांव – बेरोजगारों को रोजगार मिला है। पांडे साहब बहुत अच्छे इंसान है। वे हर समय मदद करते है। लोकल बेरोजगारों को उन्होंने रोजगार दिलाया।
177. राजेश कुमार श्रीवास, जामगांव – एमएसपी को जो जमीन दिया गया था वहां चार, चिरौजी महुवा उगता था। आज वहा स्पंज आयरन उगा रहे है। कुछ समय बाद उसमें मोती उगायेंगे। गांव में पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल खोला गया है। दिमागी स्तर से बच्चे विकसित हो चुके हैं तो क्षेत्र वासियों के लिए यह भी एक प्रगति है। यहां पर 100 प्रतिशत लोगों को रोजगार नहीं मिलती है यह बात गलत है। पर्यावरण संतुलन को भी बनाये रखना चाहिए। समर्थन।
178. प्रकाश यादव, बेहरापाली – समर्थन।
179. महेश कुमार बैरागी, लोईंग – समर्थन। इस क्षेत्र में आज से 10 साल पहले किसी भी आदमी का आना जाना नहीं था। कंपनी के आने से लोगों का विकास हुआ है।
180. सरोती लाल माही, पंच, मनुवापाली – समर्थन।

181. सूरज प्रताप, कोईलंगा – आज मैं 265 रूपये हर दिन कमाता हूँ। समर्थन।
182. प्रशांत गुप्ता, कुकुरदा – प्रशांत पांडेय सबका सहयोग करते है। एमएसपी सब कार्यों में सहयोग देती है।
183. दिनेश कुमार, मनुवापाली – समर्थन।
184. प्रेमानंद अग्रवाल, कोलाईबहाल – लोक सुनवाई पर्यावरण के लिए रखी गई है। पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ता है। प्लांट जो लगा हुआ है इसका गंदा पानी निकलता है उसके लिए कोई भी स्टोरेज नहीं बनाया गया है। यहां का प्रदूषित पानी कूर नदी में बहा दिया जाता है। इस पर रोक लगाई जाये। डस्ट के कारण वृक्ष काले हो चुके हैं। इसकी कोई व्यवस्था नहीं रखी गई है। इसके विस्तार से इस पर और प्रभाव पड़ेगा। कंपनी के लिए जल की व्यवस्था नहीं की गई जो कि कूर नदी से की जायेगी। कई गांव का निस्तार कूर नदी से होता है। अनेक गांव मात्र इस नदी पर निर्भर है। कूर नदी से पानी लिया जाता है तो इसका असर गांव पर पड़ेगा, पशु पर पड़ेगा। 10 साल पहले जितने वृक्ष लगे थे वृक्षों की संख्या कम हो रही है। पशुओं की संख्या कम हो रही है। बच्चों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। विकलांग हो रहा है। आस पास में कोई जमीन नहीं है जिससे इसका विस्तार होगा। शासकीय पट्टे की भूमि खरीद ली गई है। सारे किसान भूमिहीन हो चुके हैं। अकुशल मजदूर रह गये है। यहां वन जीव का अंचल है। हाथी, सुअर, भालू इत्यादि शांति पूर्ण ढंग से निर्वाह करते थे आज उनका जीवन खतरे में पड़ गया है। मैं विस्तार का पुरजोर विरोध करता हूँ।
185. सनत कुमार गुप्ता, जामगांव – समर्थन।
186. रमेश कुमार साव, बनोरा – समर्थन। बच्चों को क्लिन, पावर प्लांट आदि के बारे में जानकारी हुई है। यहां के 80 प्रतिशत ग्रामीणों ने समर्थन किया है। प्रबंधन को भी ग्रामीणों का समर्थन करना चाहिए। दिन में ईएसपी चलाये साथ ही अंधेरे में भी ईएसपी चालू रखें। फ्लाई एश का अधिक से अधिक उपयोग करें। इधर उधर नहीं फेंके। स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता दी जाये।
187. सेठ कुमार साहू, बेहरापाली – पेड़ काला हो रहा है लेकिन कट तो नहीं रहा है। कई आदमी को रोजगार मिल रहा है। पहले हम ट्रेन में लकड़ी के कारण चढ़ नहीं पाते थे आज आराम से चढ़ कर जा रहे है। बेरोजगारों को काम के लिए तरसना नहीं पड़ रहा है। उसे आसानी से चावल की व्यवस्था हो रही है। समर्थन।
188. रोहित कुमार यादव, मनुवापाली – समर्थन।
189. सुधीर कुमार चौहान, जामगांव – समर्थन। ठेकेदारों के ऊपर प्रबंधन ध्यान दें। मैं 4 साल से काम कर रहा हूँ। 120 रूपया मजदूरी दी जाती है जो कम है।
190. रमेश कुमार प्रधान, पतरापाली – समर्थन।
191. दीनदयाल, सिकोसीमाल – समर्थन।
192. परशुराम पटेल, जामगांव – समर्थन। मैं बेराजगार था। 4 से 5 साल तक कंपनी से बॉयलर का काम सीखा और दिसंबर 2010 में बॉयलर ऑपरेटर का काम सीखा। आज मैं कंपनी में बॉयलर ऑपरेटर हूँ।
193. राजकुमार मिश्रा, छुईपाली – इस क्षेत्र में बहुत बेरोजगारी थी। लोग बाहर काम के लिए बैठे रहते थे। जो अच्छा काम करता था उसे ही बुलाते थे। एमएसपी एक ऐसी कंपनी है जिसमें 8 घंटे में 140 रूपया दिया जाता है। समर्थन।
194. प्रदीप कुमार, जामगांव – समर्थन।
195. खगेश्वर, कोलाईबहाल – समर्थन।
196. लक्ष्मी प्रसाद कोलाईबहाल – समर्थन।

197. पंचानंद गुप्ता, जामगांव – आज जामगांव बस्ती का प्रत्येक परिवार एमएसपी से जुड़ा हुआ है। सभी लोगों के पास रोजगार है। कंपनी द्वारा जामगांव बस्ती में विकास कार्य किया गया है। बोर, पानी की व्यवस्था, घर घर में नल की व्यवस्था, गेट का निर्माण, पचरी का निर्माण किया गया है। स्कूल का निर्माण किया गया। एंबुलेंस की सुविधा की गई है। समर्थन।
198. भोजराम गुप्ता, छुईपाली – समर्थन।
199. सुबोध कुमार पंडा, बस्ती जामगांव – तहे दिल से अभिनंदन करता हूॅं। समर्थन।
200. शरण लाल सिदार, सपनई – जामगांव रोड जर्जर हालत में है। कंपनी से निवेदन है कि रोड को ठीक करें। आने जाने में परेशानी हो रही है। समर्थन।
201. हरीलाल, बनोरा – समर्थन। प्रतिक्षालय बनाया जाये। पानी टंकी बनाया जायें
202. कृष्णा चौहान, कोलाईबहाल – समर्थन।
203. महेश राम, कोलाईबहाल – समर्थन।
204. प्रशांत भोई, पतरापाली – समर्थन।
205. अमर कुमार चौहान, जामगांव – समर्थन।
206. पिंटू कुमार चौहान, जामगांव – समर्थन।
207. देवेश गुप्ता, लोईंग – समर्थन।
208. राजू चौहान, कोतरलिया – समर्थन।
209. भास्कर राणा, जामगांव – समर्थन।
210. सुंदर प्रधान, कोतरलिया – समर्थन।
211. भोकलो चौहान, मनुवापाली – समर्थन।
212. जगदीश चौहान, मनुवापाली – समर्थन।
213. रोहित चौहान, छुईपाली – समर्थन।
214. महेश्वर सिदार, जामगांव – समर्थन।
215. माधव खम्हारी, जामगांव – समर्थन।
216. सदाकर राणा,जामगांव – समर्थन।
217. अनिल कुमार, जामगांव – समर्थन।
218. पवित्र किसान, कोलाईबहाल – समर्थन।
219. शिवकुमार चौहान जामगाव – समर्थन।
220. सुखलाल चौहान, जामगांव – समर्थन।
221. रतन चौहान, जामगांव – समर्थन।
222. बिसिकेशन चौहान, जामगांव – समर्थन।
223. विनय श्रीवास, कोसमपाली – समर्थन। प्रशांत पांडेय जी को धन्यवाद देना चाहता हूॅं। समलेश्वरी मंदिर में कंपनी का सहयोग है।
224. शिवराज चौहान, जामगांव – समर्थन।
225. उद्धव कुमार चौहान, जामगांव – समर्थन।
226. विजय श्रीवास, जामगांव – प्रशांत पांडेय जी श्रद्धालु आदमी है। वे योगदान देते हैं। समर्थन।
227. किशन श्रीवास, बनोरा – समर्थन।
228. सत्यनारायण गुप्ता, जामगांव – एमएसपी को 42 एकड़ जमीन दिया। आज प्रतिदिन 5000 परिवारों को संतुष्ट करता है। समर्थन।
229. जगदीश प्रसाद, मनुवापाली– समर्थन।
230. जितेंद्र प्रधान, मनुवापाली – समर्थन।
231. लक्ष्मण कुमार प्रधान, मनुवापाली – समर्थन।

232. गजानन, पतरापाली – समर्थन।
233. आशीष कुमार चौहान पतरापाली – समर्थन।
234. ललित कुमार सिदार, पतरापाली – समर्थन।
235. गोधन कुमार यादव, पतरापाली – समर्थन।
236. रामकुमार राठिया, पतरापाली – समर्थन।
237. मानसाय प्रधान, पतरापाली – समर्थन।
238. दशरथ यादव, पतरापाली – समर्थन।
239. मनोज साहू, टारपाली – समर्थन।
240. नरेश कुमार राठिया, पतरापाली– समर्थन।
241. आनंद राम श्रीवास, जामगांव – समर्थन।
242. अजीत चौहान, कोतरलिया – समर्थन।
243. मनोहर साव, पतरापाली– समर्थन।
244. राजाराम, बनोरा – समर्थन।
245. प्रकाश यादव, टारपाली– समर्थन।
246. परमानंद प्रधान, पतरापाली– समर्थन।
247. रविशंकर चौहान, जामगांव – समर्थन।
248. प्रकाश कुमार, जामगांव – समर्थन।
249. सुद्धौ चौहान, जामगांव – समर्थन।
250. नकुल साव, जामगांव – समर्थन।
251. दिनेश कुमार चौहान , कोतरलिया – समर्थन।
252. रूप लाल, जामगांव – समर्थन।
253. एमडी सरफराज, जामगांव– समर्थन।
254. प्रहलाद, कोलाईबहाल – क्षेत्रवासियों की तरफ से एमएसपी को धन्यवाद। क्षेत्रके विकास के लिए उद्योग का होना चाहिए। हमारे क्षेत्र में 8 साल पहले एमएसपी आया उस समय लोग लुंगी बांधते थे। आज विकास हुआ है।
255. नटवर कुमार सिंग, कोतरलिया – समर्थन।
256. अनिल कुमार यादव, कोतरलिया – समर्थन।
257. अश्वनी नामदेव, अकलतरा – जब से एमएसपी प्लांट आया है गांव के हर लोगों को काम मिला है। समर्थन।
258. देवाशीष मिश्रा, कोलाईबहाल – समर्थन। ठेकेदार के लेबरों को पेमेंट मिला या नहीं कंपनी को इस ओर ध्यान देना चाहिए। तीन महीने से पेमेंट नहीं मिला है। लेबर असंतोष होकर काम करना बंद कर देते हैं। तब मुझे पर आरोप लगाया गया । इस पर विचार करें।
259. वासुदेव प्रधान, जामगांव – स्वागत है।
260. रूपेश बेहरा, सकरबोगा – मैं प्रशांत पांडेय का आभारी हूँ। हमारे कुलदेवी के मंदिर में सहयोग दिया। समर्थन।
261. जितेंद्र कुमार गुप्ता, जामगांव– समर्थन।
262. अशोक कुमार, जूनाडीह– समर्थन।
263. राजू कुमार निषाद, कोईलंगा – समर्थन।
264. मोहम्मद युनुस, जामगांव – समर्थन। कंपनी आने से लोगों के रहने सहने का ढंग बदल गया है। स्कूल में भी कंपनी सहयोग दें। जो काम सही नहीं करता है उसे निकाल दिया जाता है।
265. सुशांत कुमार महापात्र, बेहरापाली – समर्थन।

266. मुकेश पंडा, जामगांव – समर्थन।
267. केशव गुप्ता, जामगांव – रोजगार में हो रही डेवलप को देखते हुए कंपनी का समर्थन करता हूँ।
268. गोविंदकुमार गुप्ता, जामगांव – समर्थन।
269. अखिलेश गुप्ता, कुकुरदा – समर्थन।
270. युधिष्ठिर गुप्ता, कुकुरदा – समर्थन।
271. रविन्द्र कुमार गुप्ता, कुकुरदा – समर्थन।
272. दुष्यंत सिंदार, कुकुरदा – समर्थन।
273. कार्तिक राम, जामगांव – समर्थन।
274. अरविंद गुप्ता, जामगांव – समर्थन। एच.आर. और प्रशांत पांडेय ठीक हैं।
275. जगन्नाथ प्रसाद सिदार, जामगांव– समर्थन। क्षमता विस्तार रोजगार के नये अवसर उपलब्ध होंगे जो आज की जरूरत है। पढ़े लिखें बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा।
276. लिंगराज निषाद, कुकुरदा – समर्थन।
277. साबिर, जामगांव – समर्थन।
278. राजेश चौहान, कोलाईबहाल – समर्थन।
279. अंकित कुमार अग्रवाल, जामगांव – समर्थन।
280. श्यामलाल, जामगांव – समर्थन।
281. दयाशंकर, जामगांव – समर्थन।
282. शिवराम चौहान, जामगांव – समर्थन।
283. विनोद कुमार चौहान, कोतरलिया – समर्थन।
284. सुरेन्द्र चौहान, कोलाईबहाल – समर्थन।
285. राहुल कुमार चौहान, कोतरलिया – समर्थन।
286. राजकुमार चौहान, कोतरलिया – समर्थन।
287. सरोज कुमार गुप्ता, जामगांवं – समर्थन।
288. सरोज कुमार पंडा, जामगांव – समर्थन। पॉल्यूशन का विरोध करता हूँ।
289. रमेश कुमार यादव, रायगढ़ – समर्थन।
290. आनंद कुमार गुप्ता, जामगांव – प्रशांत पांडेय रात को भी सहयोग मांगने पर सहयोग करता है। समर्थन।
291. गौरंग प्रधान, जामगांव – समर्थन।
292. परखित बीसी, छुईपाली – समर्थन।
293. बसंत कुमार मिश्रा, जामगांव – समर्थन।
294. शौकीलाल गुप्ता, मनुवापाली– समर्थन।
295. देवाशीष प्रधान – बेहरापाली – समर्थन।
296. लक्ष्मीनारायण पटेल, बेहरापाली – क्षेत्र का विकास हुआ है। सीएसआर का कार्य ये बहुत अच्छे तरह से कार्य कर रहे है। सर्वांगीण विकास हो रहा है। थोड़ा प्रदूषण हो रहा है मेरे विचार से उसे नियंत्रित कर लिया जायेगा। समर्थन।
297. जयंत किशोर प्रधान, सरपंच, जुरडा – तीन बिंदुओं पर सभी अटके हैं। क्षेत्र की रोजागर को लेकर हर व्यक्ति ने अपने विचार दिये। कंपनी के आने से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। सीएसआर के तहत् हम उद्योग से सबको यह उम्मीद रहता है कम से कम क्षेत्र का विकास होगा। थोड़ी थोड़ी चूक के कारण प्रबंधन को सुनना पड़ता है। लेकिन ध्यान से देखें तो यह सही नहीं है। प्रबंधन छोटी सी छोटी बातों को ध्यान दें। सबसे बहुत बेरोजगारी और क्षेत्र का

विकास महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। पर्यावरण के क्षेत्र में ध्यान रखते हुए क्षेत्र का विकास करें। एमएसपी क्षेत्र के विकास में अग्रणी विकास करें। क्षेत्र के बेरोजगारों को रोजगार दें। समर्थन।

लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण क्षेत्रीय अधिकारी एवं अतिरिक्त जिलादण्डाधिकारी द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

लोक सुनवाई के दौरान जनता द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में उद्योग प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि ई.आई.ए. टी.ओ.आर. के अनुरूप ही बनाया गया है। 10 कि.मी. के अन्दर पर्यावरण वन मंत्रालय ने एलिफेन्ट कारीडोर डिक्लेयर नहीं किया है। डोमेस्टिक कोल के लिये एस.ई. सी.एल. को आवेदन किया गया है। परमिषन मिलने के बाद ही इसका उपयोग करेंगे। सी.एफ.बी.सी. बॉयलर से सल्फर डाई ऑक्साइड कम निकलेगा तथा ई.एस.पी. एवं बैग फिल्टर लगाये जायेगा। जिससे पर्यावरण में प्रतिकुल प्रभाव नहीं पड़ेगा। स्थानीय लोगो को रोजगार दिया जायेगा। महुआ के सीजन में उद्योग में मजदूर नहीं मिलता, इससे साबित होता है कि स्थानीय लोगो को कितना रोजगार दिया गया है। परियोजना का कोई भी कार्य जन सुनवाई के पहले नहीं हुआ है। एम.एस.पी. स्पंज के उत्तर दिषा में अपना गेट है, उसमें बकायदा उद्योग का नाम लिखा है। वन विभाग का कोई भी मुनारा नहीं तोड़ा गया है। प्लांट से किसी भी प्रकार का दूषित जल नदी में नही जाता। हमारे द्वारा भूमिगत जल का उपयोग किया जाता है, जिसका विधिवत् परमिषन हमें प्राप्त है। उद्योग द्वारा निःषुल्क एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है, एक छोटा हास्पिटल बनाया गया है। इंगलिष मीडियम का स्कूल बनाया जा रहा है। गांव के सरपंच के माध्यम से जो भी प्रस्ताव आता है, उसे हम पूरा करते है। पूजा–पाठ का मामला हो या घर का हम हृदय खोल कर रखे है। मैनेजमेंट पूरा सहयोग करेगा, लाभ देगा। इस तरह परियोजना से होने वाले होने प्रदूषण के नियंत्रण हेतु लगाये जाने वाले आधुनिक उपकरणों, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, जल आपूर्ति, सामुदायिक विकास तथा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये समस्त बिंदुओं पर बिन्दुवार अपना पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान कई लोगों द्वारा लिखित अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा दोपहर सायं 6.00 बजे उपस्थित लोगों के सुझाव, आपत्ति, टीका–टिप्पणी पर कंपनी प्रतिनिधि की ओर से जवाब आने के पश्चात् लोक सुनवाई के समाप्ति की घोषणा की गई।

**(जे. लकड़ा)**
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

**(एस. के. शर्मा)**
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)